E. Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY ARA [redacted] BIHAR

B.A Part 1st Economics Hons
Paper- 1st

Explanation of Consumer's Surplus With Illustration :-

उदाहरण द्वारा उपभोक्ता की बचत की व्याख्या :- उपभोक्ता की बचत के सिद्धान्त को हम एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। मान लिया जाय कि बाजार में हमें पाँच कलम खरीदनी है। चूँकि पहली कलम की उपयोगिता हमारे लिए सबसे अधिक होगी, अतः उसके लिए हम सबसे अधिक मूल्य चुकाने को तैयार रहेंगे। मान लिया जाय कि पहली कलम के लिए हम 10 रुपये देने को तैयार हैं। चूँकि दूसरी कलम की उपयोगिता हमारे लिए पहली से कम होगी इसलिए उसके लिए हम 8 रुपये देने को तैयार होंगे। इसी प्रकार हम तीसरी के लिए 6 रुपये, चौथी के लिए 4 रुपये, पाँचवी के लिए 2 रुपये देने को तैयार होंगे। अतः हमें सभी कलमों से $10+8+6+4+2 = 30$ रुपये के बराबर उपयोगिता प्राप्त होगी है तथा उनके लिए हम 30 रुपये देने को तैयार रहेंगे लेकिन बाजार में प्रत्येक कलम की कीमत एक समान यानि 2 रुपये के बराबर

होगी क्योंकि किसी वस्तु की कीमत उसकी सीमान्त उपयोगिता के बराबर होती है और यहाँ पाँचवीं कलम की सीमान्त उपयोगिता 2 रुपये के बराबर है अतः हमें पाँच कलम $5 \times 2 = 10$ रुपये में ही मिल जायेंगी तथा हमें 20 रुपये के बराबर कुल उपभोक्ता की बचत प्राप्त होगी। निम्नलिखित तालिका में कलम की विभिन्न इकाइयों से मिलने वाली उपभोक्ता की बचत को दर्शाया गया है:-

कलम की इकाइयाँ	प्राप्त उपयोगिता अथवा वह मूल्य जो उपभोक्ता देने के लिए तैयार है (रुपये में)	बाजार मूल्य अथवा वह मूल्य जो उपभोक्ता वास्तव में देता है (रुपये में)	उपभोक्ता की बचत (रुपये में)
पहली	10	2	$10-2=8$ रुपये
दूसरी	8	2	$8-2=6$ रुपये
तीसरी	6	2	$6-2=4$ रुपये
चौथी	4	2	$4-2=2$ रुपये
पाँचवीं	2	2	$2-2=0$ रुपये

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट हो जाता है कि हमें पहली इकाई से 8 रुपये, दूसरी से 6 रुपये, तीसरी से 4 रुपये तथा चौथी से 2 रुपये के बराबर तथा कुल इकाइयों से 20 रुपये के बराबर उपभोक्ता की बचत प्राप्त होती है। पाँचवी इकाई से उपभोक्ता की बचत शून्य के बराबर है क्योंकि पाँचवीं इकाई की सीमान्त उपयोगिता तथा मूल्य एक दूसरे के बराबर है।

निम्न रेखाचित्र के द्वारा उपभोक्ता की बचत को स्पष्ट किया जा सकता है—

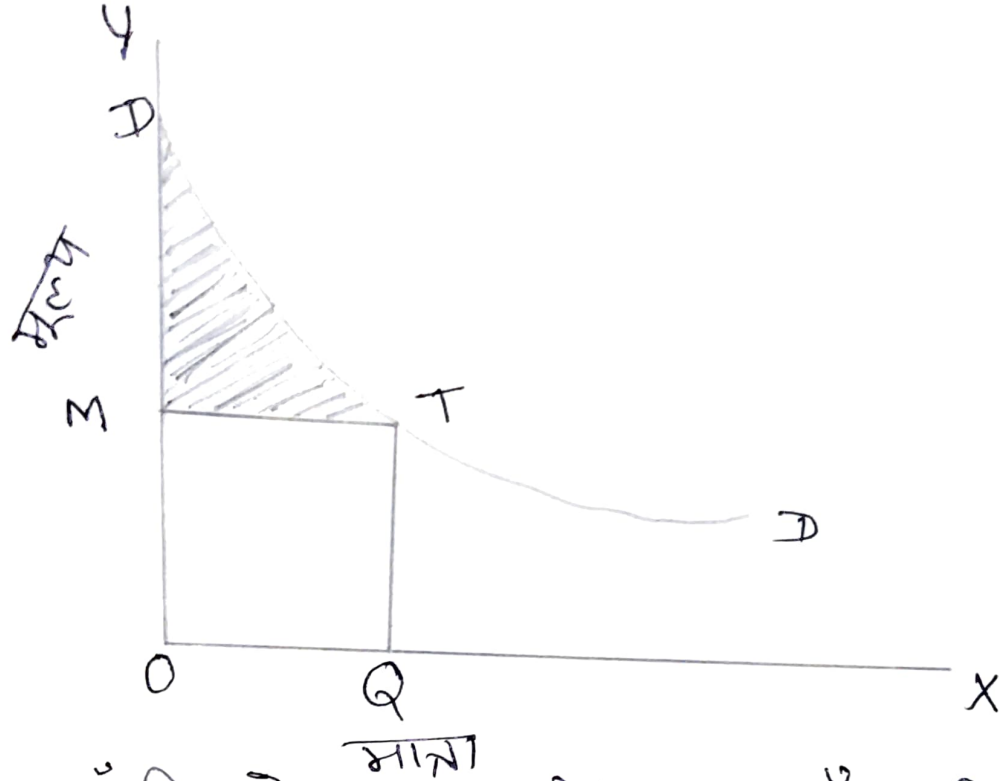

उपरोक्त रेखा चित्र में DD माँग की रेखा उस मूल्य को स्पष्ट करती है जिसे उपभोक्ता वस्तु की विभिन्न इकाइयों के लिए देने को तैयार है। यह माँग की रेखा मुद्रा के मूल्य में वस्तु की घटती हुई सीमान्त उपयोगिता को दिखाती है। वस्तु की समस्त इकाइयों के लिए OM बाजार मूल्य (Market Price) है। OQ उपभोक्ता द्वारा खरीदी गयी वस्तु वस्तु की मात्रा है। OQTD मुद्रा की वह मात्रा है जो उपभोक्ता वस्तु की OQ मात्रा के लिए देने को तैयार है। लेकिन OQTM मुद्रा की वह मात्रा है जिसे उपभोक्ता OQ मात्रा के लिए वास्तव में चुकाता है। अतः OQTD - OQTM = DMT उपभोक्ता की बचत है जिसे छायादार रंगीन घेरे के द्वारा दिखाया गया है।